**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य प्रावधान:**

1.3/4 वर्षीय बहु संकायी स्नातक पाठ्यक्रम

2.समस्त पाठ्यक्रम क्रेडिट पर आधारित होने के साथ ही चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अंतर्गत होंगे।

3.3/4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम को विद्यार्थी अधिकतम 7 वर्षों में पूर्ण कर सकता है।

4.पाठ्यक्रम अवधि में विद्यार्थी "बहु-प्रवेश बहु-निकास" प्रावधान के अंतर्गत प्रथम वर्ष पूर्ण कर किसी कारणवश पढ़ाई छोड़ देता है तो उसे उसे संकाय के अंतर्गत सर्टिफिकेट दो वर्ष पूर्ण कर छोड़ने पर डिप्लोमा की उपाधि दी जाएगी एवं तृतीय वर्ष पूर्ण करने पर स्नातक की उपाधि प्राप्त कर पाठ्यक्रम को छोड़ सकता है

5.जिन विद्यार्थियों को विषय विशेष में विशेषज्ञता प्राप्त करने या शोध करने की इच्छा हो वे पाठ्यक्रम को निरंतर चौथे वर्ष में जारी रख सकते हैं एवं ऑनर्स / ऑनर्स विथ रिसर्च की उपाधि चौथे वर्ष में प्राप्त कर सकते हैं।

6.इस नीति के अंतर्गत बहु-विषयक शिक्षा वैचारिक समझ एवं आलोचनात्मक सोच, नैतिक मूल्यों के साथ कौशल विकास को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।

7.आंतरिक मूल्यांकन में 30% अंक एवं अंत सेमेस्टर परीक्षा में 70% अंकों का प्रावधान है विद्यार्थी को उत्तीर्ण होने हेतु दोनों को मिलाकर 40% अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 क्यों?**

1.राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का भाव लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा, विषय संबंधित ज्ञान के साथ कौशल विकास, मूल्य परक तथा रोजगारोन्मुखी शिक्षा की ओर उन्मुख करती है।

2.इस नीति में सतत मूल्यांकन का प्रावधान है जिससे विद्यार्थियों के मानसिक ऊर्जा के साथ बौद्धिक क्षमता में भी वृद्धि होगी।

3.सेमेस्टर आधारित पाठ्यक्रम होने के कारण विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव नहीं होगा।

 4.बहुविषक प्रणाली पर आधारित या नीति विद्यार्थियों को उनकी इच्छा अनुसार दूसरे संख्या के विषयों का अध्ययन करने की स्वतंत्रता देता है

5.पाठ्यचर्या में भारतीय ज्ञान पद्धति के समावेश के साथ पाठ की उत्तर गतिविधियों को भी पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है।

6. प्रौद्योगिकी के अनुकूलतम उपयोग पर बल दिया गया है।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लाभ**

1.विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास

2.मूल्य परक, कौशल विकास, क्षमता संवर्धन के साथ जेनेरिक इलेक्टिव विषय के अध्ययन से स्वरोजगार के अवसर में वृद्धि।

3. विद्यार्थियों में आलोचनात्मक सोच, डिजिटल साक्षरता के साथ रोजगार क्षमता एवं शारीरिक विकास को बढ़ावा देते हुए भविष्य चुनौतियों के लिए तैयार करता है।

4. पूरे प्रदेश में समरूप शिक्षा होने से वनांचल एवं दूरस्थ क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा के मुख्य धारा में जोड़ना

5.विद्यार्थी शिक्षा के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तथा SWAYAM/MOOC मे उपलब्ध पाठ्यक्रमों में भी विषय से संबंधित पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर सकता है

6. स्वाध्याययी छात्रों का समयबद्ध नामांकन और सतत मूल्यांकन द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ।

**राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 की भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण :**

1.उच्चतर शिक्षा मनुष्य और साथ ही सामाजिक कल्याण के विकास में आवश्यक भूमिका निभाती है जैसे-जैसे भारत ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था और समाज की ओर बढ़ता जा रहा है वैसे-वैसे और अधिक भारतीय युवा उच्चतर शिक्षा की ओर बढ़ेंगे।

2.21वीं सदी की आवश्यकताओं को देखते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का जरूरी उद्देश्य, अच्छे, चिंतनशील, बहुमुखी प्रतिभा वाले रचनात्मक व्यक्तियों का विकास करना होना चाहिए।

3.उच्चतर गुणवत्ता वाली शिक्षा द्वारा व्यक्तिगत उपलब्धि और ज्ञान, रचनात्मक सार्वजनिक सहभागिता और समाज में उत्पादक योगदान को सक्षम करना चाहिए।

4.छात्र-छात्राओं को अधिक सार्थक और संतोषजनक जीवन और कार्य भूमिकाओं के लिए तैयार करना और आर्थिक स्वतंत्रता को सक्षम करना।